

## تِلْكَ الرُّسُلُ فَضَّلْنَا بَعْضَهُمْ عَلَى بَعْضٍ م

ये ऐसे पैगम्बर हैं के उन में से आज को हम ने आज पर झीलत दी. उन में से

مِنْهُمْ مَّنْ كَلَّمَ اللَّهُ وَرَفَعَ بَعْضَهُمْ دَرَجَاتٍ وَآتَيْنَا

आज वो हैं जिन से अल्लाह ने कलाम फरमाया और उन में से आज के दरजात भुलन्द फरमाये. और हम ने

عِيسَى ابْنَ مَرْيَمَ الْبَيِّنَاتِ وَأَيَّدْنَاهُ بِرُوحِ الْقُدُسِ

ईसा इब्ने मरयम (अलौहिमरसलाम) को रोशन मोअजिजात दिये और हम ने उन की रूहुल कुदुस के जरिये ताईद की.

وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ مَا اقْتَتَلَ الَّذِينَ مِنْ بَعْدِهِمْ

और अगर अल्लाह याहता तो वो लोग आहम किताल न करते जो उन के आद हुवे

مَنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَاتُ وَلَكِنْ اخْتَلَفُوا

ईस के आद के उन के पास मोअजिजात आये, लेकिन उन्हों ने इफ्तिलाफ़ किया.

فِيهِمْ مَّنْ آمَنَ وَمِنْهُمْ مَّنْ كَفَرَ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ

फिर उन में से कुछ वो हैं जो इमान लाये और उन में से कुछ वो हैं जिन्हों ने कुफ़ किया. और अगर अल्लाह

مَا اقْتَتَلُوا وَلَكِنَّ اللَّهَ يَفْعَلُ مَا يُرِيدُ

याहता तो वो आपस में किताल न करते. लेकिन अल्लाह करते हैं वही जो वो याहते हैं.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا أَنْفِقُوا مِمَّا رَزَقْنَاكُمْ مِّنْ قَبْلِ

ओ इमान वालो! खर्च करो उन चीजों में से जो हम ने तुम्हें रोजी के तौर पर दी ईस से पेहले

أَنْ يَأْتِيَ يَوْمٌ لَا بَيْعُ فِيهِ وَلَا خُلَّةٌ وَلَا شَفَاعَةٌ

के वो दिन आ जाये जिस में न खरीद व इरोफ्त होगी और न दोस्ती और न सिफ़ारिश.

وَالْكَافِرُونَ هُمُ الظَّالِمُونَ ۝ اللَّهُ لَا إِلَهَ

और काफिर लोग वही जालिम हैं. अल्लाह के सिवा कोई

إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ لَا تَأْخُذُهُ سِنَّةٌ وَلَا نَوْمٌ

माभूद नहीं. वो जिन्दा है, सब को थामने वाला है. उस को न उंध आती है और न नीन्द.

لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ مَن ذَا الَّذِي

उस की मिल्क हैं वो तमाम चीजें जो आस्मानों मे हैं और जो जमीन में हैं. कोन है जो

يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا بِإِذْنِهِ ۝ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ

सिफ़ारिश कर सके उस के पास मगर उस के हुकम से. अल्लाह भूष जानता है उन चीजों को

أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ ۖ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَيْءٍ

जो उन के आगे और उन के पीछे है. और वो अदलाउ के धलम में से किसी अक चीज का भी धडाता

مِّنْ عِلْمِهِ إِلَّا بِمَا شَاءَ ۖ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمٰوٰتِ

नडी कर सकते मगर जितना अदलाउ याडे. अदलाउ की कुर्सी आस्मानों और जमीन पर वसीअ

وَالْاَرْضِ ۖ وَلَا يَئُودُهُ حِفْظُهُمَا ۖ وَهُوَ الْعَلِيُّ

है. और आस्मान और जमीन की डिफ़ालत करना अदलाउ को थकाता नडी है. और वो भरतर है,

الْعَظِيمُ ﴿۱۵۵﴾ لَا اِكْرٰهَ فِى الدِّيْنِ ۚ قَدْ تَبَيَّنَ الرُّشْدُ

अजमत वाला है. धीन में जभरदस्ती नडी. यकीनन डिहायत गुमराडी

مِنَ الْعِغْيِ ۚ فَمَنْ يَكْفُرْ بِالطَّاغُوْتِ وَيُؤْمِنْ بِاللّٰهِ

से अलग डो चुकी. फिर जो शयतान के साथ कुड़ करेगा और अदलाउ पर धमान लाअेगा

فَقَدْ اَسْتَمْسَكَ بِالْعُرْوَةِ الْوُثْقٰى ۚ لَا اِنْفِصَامَ لَهَا

तो यकीनन उस ने भडे मजभूत डलके को मजभूती से थाम लिया, जिस के लिये टूटना नडी है.

وَاللّٰهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۱۵۶﴾ اِنَّ اللّٰهَ وَلِىُّ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا

और अदलाउ सुन्ने वाले, धलम वाले हैं. अदलाउ धमान वालों का कारसाज है.

يُخْرِجُهُم مِّنَ الظُّلُمٰتِ اِلَى النُّوْرِ ۗ وَالَّذِيْنَ كَفَرُوْا

अदलाउ उन्हे तारीकियों से नूर की तरफ़ निकालते हैं. और जो काफ़िर हैं

اَوْلٰٓئِهِمُ الظَّاغُوْتُ ۙ يُخْرِجُوْنَهُمْ مِّنَ النُّوْرِ

उन के दोस्त शयतान हैं. वो उन्हे नूर से ज़ुलमतों की तरफ़

اِلَى الظُّلُمٰتِ ۗ اُولٰٓئِكَ اَصْحٰبُ النَّارِ ۗ هُمْ فِيْهَا

निकालते हैं. वडी लोग दोजभी हैं. वो उस में डमेशा रहेंगे.

خٰلِدُوْنَ ﴿۱۵۷﴾ اَلَمْ تَرَ اِلَى الَّذِيْ حٰجَّ اِبْرٰهِيْمَ

क्या आप ने देभा नडी उस शअ्स की तरफ़ जिस ने डुजहतभाजी की धब्राडीम (अलैडिस्सलाम) से अपने

فِى رَبِّهٖ اَنْ اَتٰهُ اللّٰهُ الْمَلِكُ ۙ اِذْ قَالَ اِبْرٰهِيْمُ رَبِّىْ

रभ के बारे में धस वजड से के अदलाउ ने उसे सलतनत दी थी. जभ के धब्राडीम (अलैडिस्सलाम) ने इरभाया के

الَّذِيْ يُحْيِى وَيُمِيتُ ۙ قَالَ اَنَا اٰمِىٓتُ ۗ

मेरा रभ वो है जो जिन्दगी देता है और मौत देता है. तो उस ने कडा के में भी जिन्दगी देता डूं और में

قَالَ إِبْرَاهِيمُ فَإِنَّ اللَّهَ يَأْتِي بِالشَّمْسِ مِنَ الْمَشْرِقِ

ભી મોત દેતા હું. ઇબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) ને ફરમાયા કે યકીનન અલ્લાહ સૂરજ કો મશરિક સે લાતા હૈ,

فَأْتِ بِهَا مِنَ الْمَغْرِبِ فَبُهِتَ الَّذِي كَفَرَ ۖ

તો તૂ ઉસ કો મગરિબ કી તરફ સે લે આ, ફિર વો કાફિર મબહૂત રેહ ગયા. ઓર અલ્લાહ ઝાલિમ

وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ﴿۱۵۸﴾ أَوْ كَالَّذِي مَرَّ

લોગોં કો હિદાયત નહી દેતે. યા ઉસ શખ્સ (ઉઝૈર અલૈહિસ્સલામ) કી તરહ જો એક બસ્તી પર ગુઝરે ઇસ હાલ મેં

عَلَى قَرْيَةٍ وَهِيَ خَاوِيَةٌ عَلَى عُرُوشِهَا ۚ قَالَ أَنَّى

કે વો અપની છતોં પર ગિરી હુઈ થી. ઉસ (ઉઝૈર અલૈહિસ્સલામ) ને કહા કે કેસે ઇસ બસ્તી કો ઉસ કે વૈરાન હો જાને

يُحْيِي هَذِهِ اللَّهُ بَعْدَ مَوْتِهَا ۚ فَأَمَاتَهُ اللَّهُ مِائَةَ

કે બાદ અલ્લાહ ઝિન્દા કરેગે? ફિર અલ્લાહ ને ઉસ શખ્સ (ઉઝૈર અલૈહિસ્સલામ) કો મોત દે દી સૌ સાલ તક,

عَامٍ ثُمَّ بَعَثَهُ ۖ قَالَ كَمْ لَبِثْتُ ۖ قَالَ لَبِثْتُ يَوْمًا

ફિર ઉન્હેં ઝિન્દા કર કે ઉઠાયા. અલ્લાહ ને પૂછા કે આપ કિતની મુદત તક ઇસ હાલ મેં રહે? વો (ઉઝૈર અલૈહિસ્સલામ)

أَوْ بَعْضَ يَوْمٍ ۖ قَالَ بَلْ لَبِثْتُ مِائَةَ عَامٍ فَانظُرْ

કેહને લગે કે મૈં એક દિન યા એક દિન સે ભી કમ રહા. અલ્લાહ ને ફરમાયા કે બલ્કે તુમ રહે પૂરે સૌ સાલ, ઇસ લિયે

إِلَى طَعَامِكَ وَ شَرَابِكَ لَمْ يَتَسَنَّه ۚ وَانظُرْ

આપ અપને ખાને કી ચીજોં કો ઓર પીને કી ચીજોં કો દેખિયે કે વો સડી ભી નહી. ઓર આપ દેખિયે

إِلَى حِمَارِكَ ۚ وَلِنَجْعَلَ آيَةً لِلنَّاسِ وَانظُرْ

અપને દરાઝગોશ કી તરફ. ઓર ઇસ લિયે તાકે હમ આપ કો ઇન્સાનોં કે લિયે નિશાની બનાવે ઓર આપ

إِلَى الْعِظَامِ كَيْفَ نُنشِزُهَا ثُمَّ نَكْسُوهَا لحمًا

દેખિયે હડ્ડિયોં કી તરફ કે હમ ઉન્હેં કેસે જોડતે હેં, ફિર ઉન પર ગોશત પેહનાતે હેં. ફિર

فَلَمَّا تَبَيَّنَ لَهُ ۚ قَالَ أَعْلَمُ أَنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ

જબ ઉસ (ઉઝૈર અલૈહિસ્સલામ) કે સામને યે વાઝેહ હો ગયા તો વો કહને લગે કે મૈં યે યકીન રખતા હું કે અલ્લાહ

قَدِيرٌ ﴿۱۵۹﴾ وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ رَبِّ أَرِنِي كَيْفَ تُحْيِي

હર ચીજ પર કુદરત વાલે હેં. ઓર જબ ઇબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) ને અર્ઝકિયા એ મેરે રબ! આપ મુજે દિખાઈયે

النَّوْتِ ۖ قَالَ أَوْلَمْ تُؤْمِنُونَ ۖ قَالَ بَلَىٰ وَلَٰكِن

કે આપ કેસે મુદોં કો ઝિન્દા કરેગે. તો અલ્લાહ ને પૂછા કયા આપ ઇમાન નહી રખતે? ઇબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ) ને

لَيُطَبِّخَنَّ قَلْبِي ۖ قَالَ فَخُذْ أَرْبَعَةً مِّنَ الطَّيْرِ

अठ किया क्यूं नही? लेकिन इस लिये ताके मेरा दिल मुन्मथन हो जाये. तो अल्लाह ने इरमाया के फिर आप परिन्ही

فَصُرْهُنَّ إِلَيْكَ ثُمَّ اجْعَلْ عَلَىٰ كُلِّ جَبَلٍ مِّنْهُنَّ

में से चार परिन्हे लीजिये, फिर उन को अपनी तरफ मानूस कर लीजिये, फिर हर पहाड पर उन का अेक अेक डिस्सा

جُزْءًا ثُمَّ ادْعُهُنَّ يَأْتِيَنَّكَ سَعِيًا ۖ وَاعْلَمُ

रभ हीजिये, फिर आप उन को बुलाईये, तो वो आप के पास तेज चलते हुवे आअेंगे. और जान लो के

أَنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿٦٠﴾ مَثَلُ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ

यकीनन अल्लाह जबरदस्त है, डिक्मत वाला है. उन लोगो का डाल जो अपने माल अल्लाह के

أَمْوَالَهُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ كَمَثَلِ حَبَّةٍ أَنْبَتَتْ سَبْعَ

रास्ते में भर्य करते हैं अेक दाने की तरड है जिस ने सात भोशे

سَنَابِلَ فِي كُلِّ سُنبُلَةٍ مِّائَةٌ حَبَّةٌ ۖ وَاللَّهُ يُضْعِفُ

उगाअे, हर अेक भोशे में सौ दाने हैं. और अल्लाह कई गुना करते हैं

لِمَن يَشَاءُ ۖ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ﴿٦١﴾ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ

जिस के लिये याडते हैं. और अल्लाह वुस्मत वाले, धल्म वाले हैं. जो लोग अपने माल को

أَمْوَالَهُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ ثُمَّ لَا يُتَّبِعُونَ مَا أَنْفَقُوا

अल्लाह के रास्ते में भर्य करते हैं, फिर अपने भर्य करने के पीछे वो नही लाते

مَنًّا وَلَا أَذَىٰ ۖ لَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۖ

अेडसान जतलाने को और न ईजा पौडयाने को, तो उन के लिये उन का अजर है उन के रभ के पास.

وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿٦٢﴾ قَوْلٌ مَّعْرُوفٌ

और न उन पर भौड़ डोगा और न वो गमगीन डोंगे. बली भात केडना

وَمَغْفِرَةٌ خَيْرٌ مِّنْ صَدَقَةٍ يَتَّبِعَهَا أَذَىٰ ۖ

और माइ कर देना बेडतर है अैसे सदके से जिस के पीछे ईजा पडोयाना डो.

وَاللَّهُ غَنِيٌّ حَلِيمٌ ﴿٦٣﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تُبْطِلُوا

और अल्लाह बेनियाज है, डिल्म वाला है. अे ईमान वालो! तुम अपने सदकात अेडसान

صَدَقَاتِكُمْ بِالْمَنِّ وَالْأَذَىٰ ۖ كَالَّذِي يُنْفِقُ

जतला कर के और ईजा पडोया कर भातिल मत करो, उस शप्स की तरड जो अपना माल

مَالَهُ رِئَاءَ النَّاسِ وَلَا يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ

भर्य करता है लोगों के ही भावे के लिये और जो धर्मान नहीं रभता अल्लाह पर और आभिरि दिन पर.

فَمَثَلُهُ كَمَثَلِ صَفْوَانٍ عَلَيْهِ تُرَابٌ فَأَصَابَهُ

झिर उस शप्स का डाल उस यटान की तरड है जिस पर भिडी डो, झिर उसे तेज

وَابِلٌ فَتَرَكَهُ صَلْدًا ۖ لَا يَقْدِرُونَ عَلَى شَيْءٍ

भारिश पडोये, झिर उसे साइ कर छोडे. वो अपनी कमाई में से किसी चीज पर कादिर

مِمَّا كَسَبُوا ۗ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْكَافِرِينَ ﴿٢١٠﴾

नडी छोडे. और अल्लाह काझिर लोगो को डिदायत नडी देते.

وَمَثَلُ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ ابْتِغَاءَ مَرْضَاتِ

और उन लोगो का डाल जो अपने मालो को भर्य करते हैं अल्लाह की रजा तलभ

اللَّهِ وَتَشْبِيئًا مِّنْ أَنْفُسِهِمْ كَمَثَلِ جَنَّةٍ بِرَبْوَةٍ

करने के लिये और अपनी तरइ से अमली सुभूत पेश करते डुवे उस भाग की तरड है जो टीले पर डो,

أَصَابَهَا وَابِلٌ فَأَتَتْ أُكُلَهَا ضَعْفَيْنِ ۗ فَإِن

जिस को जोर की भारिश पडोयी डो, झिर वो अपने इल दुगने पैदा करता डो. झिर अगर उसे

لَمْ يُصِبْهَا وَابِلٌ فَطَلَّ ۗ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿٢١١﴾

ज्यादा भारिश न पडोये, तो झिर थोडी भारिश भी काझी डो ज्ञाअे. और अल्लाह तुम्हारे आमाल

أَيُّودٌ أَحَدُكُمْ أَن تَكُونَ لَهُ جَنَّةٌ مِّن تَنْحِيلٍ

देभ रडे हैं. क्या तुम में से कोई अेक याडेगा ये के उस के लिये भजूर और अंगूर का अेक

وَأَعْنَابٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ۗ لَهُ فِيهَا

भाग डो, जिस के नीचे से नेडरें भेडती डो, उस के लिये उस भाग में

مِنْ كُلِّ الثَّمَرَاتِ ۗ وَأَصَابَهُ الْكِبَرُ وَلَهُ ذُرِّيَّتٌ

तमाम इल डो और उसे भुण्डापा पडोय युका डो और उस की कमजोर

ضُعْفَاءٌ ۖ فَأَصَابَهَا إِعْصَارٌ فِيهِ نَارٌ فَاحْتَرَقَتْ ۗ

औलाद डो. झिर उस भाग पर अेक भगौला आअे जिस में आग डो, झिर वो भाग जल ज्ञाअे.

كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ تَتَفَكَّرُونَ ﴿٢١٢﴾

ईस तरड अल्लाह तुम्हारे लिये आयतें भयान करते हैं ताके तुम गौर व झिक करो.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا أَنْفِقُوا مِنْ طَيِّبَاتِ مَا كَسَبْتُمْ

ओे ँमान वालो! तुम ढर्य करो उन उमदा थीओों में से जो तुम ने कमाए हैं

وَمِمَّا أَخْرَجْنَا لَكُمْ مِنَ الْأَرْضِ وَلَا تَيَمَّمُوا

और उन थीओों में से जो उम ने तुमडारे लिये ञमीन से निकाली हैं. और तुम उस में से

الْحَبِيطِ مِنْهُ تُنْفِقُونَ وَلَسْتُمْ بِأَخْذِيهِ إِلَّا

भुरी थीओ का कसद मत करो ढर्य करने के लिये और ढुद तुम ली उस को नडी लोगे मगर

أَنْ تَعْمَضُوا فِيهِ ۖ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ عَنِّي حَمِيدٌ ۝

ये के तुम उस में यशमपोशी करो. और जान लो के अदलाड बेनियाओ है, काबिले तारीक है.

الشَّيْطَانُ يَعِدُكُمُ الْفَقْرَ وَيَأْمُرُكُمْ بِالْفَحْشَاءِ ۗ

शयतान तुमडें इकर से डराता है और तुमडें बेडयाए का डुकम देता है.

وَاللَّهُ يَعِدُكُم مَّغْفِرَةً مِّنْهُ وَفَضْلًا ۗ وَاللَّهُ

और अदलाड अपनी तरक से मगडिरत और इजल का तुम से वादा करता है. और अदलाड

وَاسِعٌ عَلِيمٌ ۝ يُؤْتِي الْحِكْمَةَ مَنْ يَشَاءُ ۗ وَمَنْ

वुस्अत वाले, ँल्म वाले हैं. अदलाड डिकमत देते हैं जिसे याडते हैं.

يُؤْتِ الْحِكْمَةَ فَقَدْ أُوتِيَ خَيْرًا كَثِيرًا ۗ

और जिसे डिकमत दी गए, उसे ढडी ललाए दी गए.

وَمَا يَذَّكَّرُ إِلَّا أُولُو الْأَلْبَابِ ۝ وَمَا أَنْفَقْتُمْ

और नसीडत डसिल नडी करते मगर अकल वाले. और जो ढर्य

مِّنْ تَفَقَةٍ أَوْ نَذْرَةٍ مِّنْ نَّذْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ

तुम करो या जो नओर तुम मानो तो यकीनन अदलाड उसे

يَعْلَمُهُ ۗ وَمَا لِلظَّالِمِينَ مِنْ أَنْصَارٍ ۝ إِنْ تُبَدُّوا

जानते हैं. और ञालिमों के लिये कोए मददगार नडी डोगा. अगर तुम सदकत

الصَّدَقَاتِ فَنِعِمَّا هِيَ ۗ وَإِنْ تُخَفُّوْهَا وَ تَوَوُّوْهَا

अलानिया दो तो ये अखी ढात है. और अगर तुम उन को छुपा कर इकरा को

الْفُقَرَاءَ فَهُوَ خَيْرٌ لَّكُمْ وَيُكَفِّرُ عَنْكُمْ مِّنْ

दो तो ये तुमडारे लिये ञयादा बेडतर है. और अदलाड तुम से तुमडारी भुराएयां दूर

سَيِّئَاتِكُمْ ۖ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ﴿۱۷۱﴾ لَيْسَ

कर देगा. और अल्लाह तुम्हारे आमांल से बाभभर है. आप के

عَلَيْكَ هُدًى وَلَكِنَّ اللَّهَ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ ۖ

जिम्मे नही है उन को छिदायत देना, लेकिन अल्लाह छिदायत देते हैं जिसे याहते हैं.

وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ فَلَا نُفْسِكُمْ ۖ وَمَا تُنْفِقُونَ

और जो मांल तुम भर्य करो तो वो तुम्हारे अपने ही लिये है. और तुम भर्य नही करते हो

إِلَّا ابْتِغَاءَ وَجْهِ اللَّهِ ۖ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ

भगर अल्लाह की रजा तलभ करने के लिये. और जो मांल भर्य करोगे तो वो

يُوقَفُ إِلَيْكُمْ وَأَنْتُمْ لَا تُظْلَمُونَ ﴿۱۷۲﴾ لِلْفُقَرَاءِ

तुम्हें पूरा पूरा दिया जायेगा और तुम से कमी नही की जायेगी. (सदकत) उन इकरा के

الَّذِينَ أَحْصَرُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ لَا يَسْتَطِيعُونَ

लिये हैं जो अल्लाह के रास्ते में धिरे रेहते हैं, जो जमीन में सकर करने की

ضَرْبًا فِي الْأَرْضِ يُحْسِبُهُمُ الْجَاهِلُ أَعْيَاءَ

ताकत नही रभते. नावाकिइ आदमी उन को न मांगने की वजह से मांलदार

مِنَ التَّعَفُّفِ ۖ تَعْرِفُهُمْ بِسَيِّئَاتِهِمْ ۖ لَا يَسْأَلُونَ النَّاسَ

समजता है. आप उन के येहरे से उन को पेहचान लोगे. वो लोगों से ँसरार से सवाल

إِحْفَافٍ ۖ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ بِهِ عَلِيمٌ ﴿۱۷۳﴾

नही करते. और जो मांल तुम भर्य करोगे तो यकीनन अल्लाह उसे जानते हैं.

الَّذِينَ يُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ بِاللَّيْلِ وَالنَّهَارِ سِرًّا

जो लोग अपने मांलों को भर्य करते हैं रात में और दिन में युपके

وَعَلَانِيَةً فَالَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۖ وَلَا خَوْفٌ

और अलानिया तो उन के लिये उन के रभ के पास उन का अजर है. और उन पर न भौइ

عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۱۷۴﴾ الَّذِينَ يَأْكُلُونَ

होगा और न वो गमगीन होंगे. वो लोग जो सूह पाते

الرِّبَا لَا يَقُومُونَ إِلَّا كَمَا يَقُومُ الَّذِي يَتَخَبَّطُهُ

हैं वो (कध्रों से) नही उठेंगे भगर ऐसा जैसा के उठता है वो शप्स जिसे शयतान

الشَّيْطَانُ مِنَ الْمَسِّ ذَلِكِ بِأَنَّهُمْ قَالُوا

نے ڈھ کر کے پھینکی بنا دیا ہے۔ یہ اس وجہ سے کہ انہوں نے کہا کہ بے ایمان تو

إِنَّمَا الْبَيْعُ مِثْلُ الرِّبَا وَأَحَلَّ اللَّهُ الْبَيْعَ وَحَرَّمَ الرِّبَا

سود ہی کی طرح ہے۔ خداوند نے بیع کو حلال کیا ہے اور سود کو حرام کر دیا ہے۔

فَمَنْ جَاءَهُ مَوْعِظَةٌ مِنْ رَبِّهِ فَانْتَهَى فَلَهُ

حشر جس شمس کے پاس اس کے رب کی طرف سے نہایت آئے، حشر وہ روک جائے تو اس کے لیے وہ ہے

مَا سَلَفَ وَأَمْرُهُ إِلَى اللَّهِ وَمَنْ عَادَ فَأُولَئِكَ

جو پہلے سے ہے۔ اور اس کا معاملہ خداوند کے سپرد ہے۔ اور جو دوبارہ ایسا کرے گا تو

أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۱۴۵﴾ يَحْقُ اللَّهُ الرِّبَا

یہ لوگ جہنمی ہیں۔ وہ اس میں ہمیشہ رہیں گے۔ خداوند سود کو مٹاتا ہے

وَيُرِي الصَّدَقَاتِ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ كُلَّ كَفَّارٍ أَثِيمٍ ﴿۱۴۶﴾

اور صدقات کو دکھاتا ہے۔ اور خداوند کسی گنہگار کا حشر سے ملوث نہیں کرتے۔

إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَأَقَامُوا الصَّلَاةَ

یہ کہنے والے لوگ جو ایمان لائے اور نیک اعمال کرتے رہے اور نماز کا عہدہ کی

وَاتُوا الزَّكَاةَ لَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۖ وَلَا خَوْفٌ

اور زکوٰۃ دی، ان کے لیے ان کا اجر ہے ان کے رب کے پاس۔ اور نہ ان پر

عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۱۴۷﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

بھوکے ہو گا اور نہ وہ غمگین ہوں گے۔ اے ایمان والو! خداوند

اتَّقُوا اللَّهَ وَذَرُّوا مَا بَعِيَ مِنَ الرِّبَا إِن كُنْتُمْ

سے ڈرو اور بے ایمان سے اس سود کو جو بھکی رہ گیا ہے اگر تم ایمان

مُؤْمِنِينَ ﴿۱۴۸﴾ فَإِنْ لَمْ تَفْعَلُوا فَأْذَنُوا بِحَرْبٍ

والے ہو۔ حشر اگر ایسا نہیں کرو گے تو تمہیں خداوند اور اس کے رسول کی طرف سے

مِّنَ اللَّهِ وَرَسُولِهِ ۖ وَإِنْ تُبْتُمْ فَلَكُمْ رُءُوسُ أَمْوَالِكُمْ ۖ

اللہ سے ہے۔ اور اگر تم توبہ کرو گے تو تمہارے لیے تمہارے اصل مال ہے۔

لَا تَظْلِمُونَ وَلَا تُظْلَمُونَ ﴿۱۴۹﴾ وَإِنْ كَانَ ذُو

نہ تم ظالم نہ ہو گے اور نہ تم پر ظلم کیا جائے گا۔ اور اگر وہ کھلنے والا تگھڑت



عُسْرَةَ فَنظِرَةً إِلَىٰ مَيْسَرَةٍ ۖ وَأَنْ تَصَدَّقُوا خَيْرٌ

હો તો ઉસે વુસ્અત હાસિલ હોને તક મોહલત દી જાએ. ઓર યે કે માફ કર દો તો યે તુમહારે લિયે

لَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۱۸۰﴾ وَاتَّقُوا يَوْمًا تُرْجَعُونَ

ઝયાદા બેહતર હે અગર તુમ જાનતે હો. ઓર તુમ ડરો ઉસ દિન સે જિસ દિન મેં તુમ અલ્લાહ

فِيهِ إِلَىٰ اللَّهِ ۗ ثُمَّ تُوَفَّىٰ كُلُّ نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ

કી તરફ લૌટાએ જાઓગે. ફિર હર શખ્સ કો પૂરા પૂરા બદલા દિયા જાએગા ઉન આમાલ કા જો

وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿۱۸۱﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

ઉસ ને કિયે, ઓર ઉન પર ઝુલ્મ નહી કિયા જાએગા. એ ઈમાન વાલો! જબ તુમ

إِذَا تَدَايَيْتُمْ بِدَيْنٍ إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَمًّى فَاكْتُبُوهُ ۖ

આપસ મેં કર્ઝ કા લૈન દૈન કરો કિસી વકતે મુકરર તક કે લિયે, તો ઉસ કો લિખ લિયા કરો.

وَلْيَكْتُبَ بَيْنَكُمْ كَاتِبٌ بِالْعَدْلِ ۚ وَلَا يَأْبَ

ઓર યાહિયે કે તુમહારે દરમિયાન લિખને વાલા ઈન્સાફ સે લિખે. ઓર લિખને વાલા ઈન્કાર ન કરે

كَاتِبٌ أَنْ يَكْتُبَ كَمَا عَلَّمَهُ اللَّهُ فَلْيَكْتُبْهُ ۚ وَلْيُمْلِلِ

લિખને સે જૈસા કે અલ્લાહ ને ઉસ કો ઈલ્મ દિયા હે, તો ઉસે યાહિયે કે લિખે. ઓર લિખવાએ વો શખ્સ

الَّذِي عَلَيْهِ الْحَقُّ وَلِيَتَّقِ اللَّهَ رَبَّهُ وَلَا يَبْخَسَ

જિસ કે ઝિમ્મે હક હે ઓર યાહિયે કે વો અલ્લાહ સે ડરે જો ઉસ કા રબ હે ઓર વો ઉસ મેં સે કુછ

مِنْهُ شَيْئًا ۚ فَإِنْ كَانَ الَّذِي عَلَيْهِ الْحَقُّ سَفِيهًا

ભી કમ ન કરે. ફિર અગર વો શખ્સ જિસ કે ઝિમ્મે હક હે વો બેવકૂફ હો

أَوْ ضَعِيفًا أَوْ لَا يَسْتَطِيعُ أَنْ يُمِلَّ هُوَ فَلْيُمْلِلِ

યા કમઝોર હો યા લિખવા ન સકતા હો તો લિખવાએ

وَلِيِّهِ بِالْعَدْلِ ۖ وَأَسْتَشْهِدُوا شَهِيدَيْنِ

ઉસ કા વલી ઈન્સાફ સે. ઓર તુમ અપને મરદો મેં સે દો ગવાહ

مِنْ رَجَالِكُمْ ۖ فَإِنْ لَّمْ يَكُونَا رَجُلَيْنِ فَرَجُلٌ وَامْرَأَتَانِ

બના લો. ફિર અગર દો મર્દ ન હો તો એક મર્દ ઓર દો ઓરતો હોની યાહિયે

مِمَّنْ تَرْضَوْنَ مِنَ الشُّهَدَاءِ أَنْ تَضِلَّ إِحْدَاهُمَا

ઉન ગવાહો મેં સે જિન કો તુમ પસન્દ કરતે હો, ઈસ વજહ સે કે ઉન દો ઓરતો મેં સે એક ભૂલ

فَتَذَكَّرَ أَحَدَهُمَا الْأُخْرَىٰ ۖ وَلَا يَأْبُ الشُّهَدَاءُ

जाओ तो उन में से एक दूसरी को याद दिलाओ. और गवाह ईन्कार न करें जब उन्हें बुलाया

إِذَا مَا دُعُوا ۖ وَلَا تَسْمَعُوا أَنْ تَكْتُبُوهُ صَغِيرًا أَوْ كَبِيرًا

जाओ. और न उकताओ इस से के तुम उस को लिखो, चाहे छोटी रकम हो या बड़ी, उस की मुकर्रर

إِلَىٰ أَجَلِهِ ۖ ذَلِكُمْ أَقْسَطُ عِنْدَ اللَّهِ وَأَقْوَمٌ لِلشَّهَادَةِ

मुद्दत तक के लिये. ये ज्यादा ईन्साफ़ वाला है अदलाह के नज़दीक और गवाही को ज्यादा सीधा रखने वाला है

وَ أَدْنَىٰ إِلَّا تَرْتَابُوا إِلَّا أَنْ تَكُونَ تِجَارَةً

और इस के ज्यादा करीब है के तुम शक न करो, मगर ये के वो मौजूद (नकद, कैश)

حَاضِرَةً تُدِيرُونَهَا بَيْنَكُمْ فَلَيْسَ عَلَيْكُمْ

तिजारात हो जिस का तुम आपस में लैन दैन करते हो, तो तुम पर कोई गुनाह

جُنَاحٌ إِلَّا تَكْتُبُوهَا وَأَشْهَدُوا إِذَا تَبَايَعْتُمْ ۖ

नहीं है के तुम उस को न लिखो. और तुम गवाह बना लो जब तुम आपस में खरीद व इरोफ्त करो.

وَلَا يُضَارَّ كَاتِبٌ وَلَا شَهِيدٌ ۖ وَإِنْ تَفَعَّلُوا

और लिखने वाले को और गवाह को जरूर न पड़ोयाया जाओ. और अगर तुम ऐसा करोगे

فَإِنَّهُ فَسُوقٌ بِكُمْ ۖ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۖ وَيُعَلِّمُكُمُ اللَّهُ ۖ

तो ये तुम्हारे वास्ते गुनाह है. और अदलाह से डरो. और अदलाह तुम्हें तालीम देते हैं.

وَاللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿۲۷۷﴾ وَإِنْ كُنْتُمْ عَلَىٰ سَفَرٍ

और अदलाह डर थीज़ को भूख जानने वाले हैं. और अगर तुम सफ़र पर हो और किसी

وَلَمْ تَجِدُوا كَاتِبًا فَرِهْنِ مَقْبُوضَةً ۖ فَإِنْ أَمِنَ

लिखने वाले को न पाओ, तो फिर रहन है जिस पर कब्ज़ा कर लिया जाओ. फिर अगर तुम में से एक दूसरे का

بَعْضُكُمْ بَعْضًا فَلْيُؤَدِّ الَّذِي أُؤْتِنَ أَمَانَتَهُ

अतेबार करे, तो यादिये के अमानत अदा कर दे वो शख्स जिस के पास अमानत रभी गई और यादिये

وَلْيَتَّقِ اللَّهَ رَبَّهُ ۖ وَلَا تَكْتُبُوا الشَّهَادَةَ ۖ وَمَنْ يَكْتُهَا

के वो अदलाह से डरे जो उस का रब है. और तुम गवाही को मत छुपाओ. और जो उस को छुपाओगा

فَإِنَّهُ إِثْمٌ قَلْبُهُ ۖ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ عَلِيمٌ ﴿۲۷۸﴾

तो यकीनन उस का दिल गुनेहगार है. और अदलाह तुम्हारे आमाल भूख जानते हैं.

لِلَّهِ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ ۗ وَاِنْ تُبَدَّلُوْا

अदलाह की मम्लूक हैं वो तमाम चीजें जो आस्मानों और जमीन में हैं. और अगर जाहिर करो उन

مَا فِيْ اَنْفُسِكُمْ اَوْ تَخْفٰوْهُ يُّحٰسِبْكُمْ بِهٖ ۗ اللّٰهُ ۙ

जातो को जो तुम्हारे दिलों में हैं या तुम उन को छुपाओ तब भी अदलाह तुम से उन का मुहासबा करेगा.

فَيَعْزِرُ لِمَنْ يَّشَاءُ وَيُعَذِّبُ مَنْ يَّشَاءُ ۗ وَاللّٰهُ

झिर बप्श देगा जिस के लिये चाहेगा और अजाब देगा जिसे चाहेगा. और अदलाह

عَلٰى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرٌ ﴿٢٧٠﴾ اَمِّنَ الرَّسُوْلُ بِمَا اُنزِلَ

उर चीज पर कुदरत वाले हैं. रसूल धिमान ले आये उस पर जो उन की तरफ उतारा गया

اِلَيْهِ مِنْ رَّبِّهٖ وَالْمُوْمِنُوْنَ ۗ كُلُّ اٰمِنٍ بِاللّٰهِ

उन के रब की तरफ से और धिमान ले आये धिमान वाले भी. सब के सब धिमान ले आये अदलाह पर

وَمٰلِكَيْتِهٖ وَكُتُبِهٖ وَرُسُلِهٖ ۗ لَا نَفَرِقُ بَيْنَ اَحَدٍ

और उस के इरिशतों और उस की किताबों और उस के पैगम्बरों पर. (वो केहते हैं के) उस के पैगम्बरों में से किसी

مِّنْ رُّسُلِهٖ ۗ وَقَالُوْا سَمِعْنَا وَاَطَعْنَا ۗ غُفْرٰنَكَ

के हरमियान हम तफ़रीक नहीं करते. और वो केहते हैं के हम ने सुना और हम ने भुशी से मान लिया. ओ हमारे रब!

رَبَّنَا وَاِلَيْكَ الْمَصِيْرُ ﴿٢٧١﴾ لَا يُكَلِّفُ اللّٰهُ نَفْسًا

तू हमारी मगझिरत कर दे और तेरी ही तरफ लौटना है. अदलाह किसी शप्स को मुकद्लक नहीं बनाते मगर

اِلَّا وُسْعَهَا ۗ لَهَا مَا كَسَبَتْ وَ عَلَيْهِمَا مَا اَكْتَسَبَت ۗ

उस की वुस्अत के मुताबिक. उस के लिये वो आमाहल हैं जो उस ने किये और उस के जिम्मे वो गुनाह पड़गे जो उस ने

رَبَّنَا لَا تُؤٰخِذْنَا اِنْ تَسِيْنَا اَوْ اَخْطَاْنَا ۗ رَبَّنَا

कमाओ. ओ हमारे रब! तू हमारा मुआपजा मत कर अगर हम भूल जाओ या हम यूक जाओ. ओ

وَلَا تَحْمِلْ عَلَيْنَا اِصْرًا كَمَا حَمَلْتَهُ عَلٰى الَّذِيْنَ

हमारे रब! और तू हम पर न लाह भोज जैसा के तू ने उस को लाहा उन लोगों पर जो

مِّنْ قَبْلِنَا ۗ رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلْنَا مَا لَا طَاقَةَ لَنَا بِهٖ ۗ

हम से पेहले थे. ओ हमारे रब! और तू हम पर न लाह उस को जिस की हम में ताकत नहीं.

وَاعْفُ عَنَّا ۗ وَاعْفِرْ لَنَا ۗ وَارْحَمْنَا ۗ اَنْتَ مَوْلَانَا

और तू हमें माफ़ कर दे. और हमें बप्श दे. और हम पर रहम इरमा. तू हमारा मौला है,

فَأَنْصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ ﴿۲۸﴾

तू काफ़िर कौम के खिलाफ़ उमारी नुस्रत इरमा.

رُكُوعَاتُهَا ۲۰

(۳) سُورَةُ الْعَمْرَانِ الْكَافِرِينَ ﴿۸۹﴾

آيَاتُهَا ۲۰۰

ईस में २०० आयतें हैं सूराओ आले ईमरान मदीना में नाज़िल हुई और २० रुकूअ हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

الْمَلَأَ اللَّهُ لَأ إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ ﴿۱﴾ نَزَّلَ

अलिफ़ लाम भीम. अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वो ज़िन्दा है, सब को थामने वाला है. उस ने आप पर

عَلَيْكَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ مُصَدِّقًا لِمَا بَيْنَ يَدَيْهِ

ये भरलक किताब उतारी जो सच्चा बतलाने वाली है उन किताबों को जो उस से पेडले थीं,

وَأَنْزَلَ التَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ ﴿۲﴾ مِنْ قَبْلُ هُدًى

और उस ने तोरात और ईन्जिल ईन्सानों की हिदायत के लिये ईस से पेडले उतारी, और उसी ने लक और भातिल

لِلنَّاسِ وَأَنْزَلَ الْفُرْقَانَ ﴿۳﴾ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا بِآيَاتِ

के दरमियान ईसला करने वाली किताब (क़ुरआन) नाज़िल की. यकीनन वो लोग जिनको ने क़ुफ़ किया अल्लाह की

اللَّهُ لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ ۖ وَاللَّهُ عَزِيزٌ ذُو انْتِقَامٍ ﴿۴﴾

आयात के साथ, उन के लिये सप्त अजाब है. और अल्लाह ज़बरदस्त है, ईन्तिकाम लेने वाला है.

إِنَّ اللَّهَ لَا يَخْفَى عَلَيْهِ شَيْءٌ فِي الْأَرْضِ وَلَا

यकीनन अल्लाह पर कोई चीज़ मफ़ी नहीं है, न ज़मीन में और न

فِي السَّمَاءِ ﴿۵﴾ هُوَ الَّذِي يُصَوِّرُكُمْ فِي الْأَرْحَامِ كَيْفَ

आस्मान में. वही तुम्हारी सूरतें बनाता है बरयादानियों में जिस तरह

يَشَاءُ ۖ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿۶﴾ هُوَ

वो यादता है. अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वो ज़बरदस्त है, डिक्मत वाला है. उसी ने

الَّذِي أَنْزَلَ عَلَيْكَ الْكِتَابَ مِنْهُ آيَاتٌ مُحْكَمَاتٌ

आप पर ये किताब उतारी, उस में से कुछ आयतें मुहकम (ईशतिबाहे मुराह से मडकूज़) हैं,

هُنَّ أُمُّ الْكِتَابِ وَأُخْرُ مُتَشَبِهَاتٌ ۖ فَأَمَّا الَّذِينَ

वही असल किताब हैं, और दूसरी आयतें मुतशाबिहात हैं. फिर अलबत्ता वो लोग

فِي قُلُوبِهِمْ زَيْغٌ فَيَتَّبِعُونَ مَا تَشَابَهَ مِنْهُ ابْتِغَاءَ

जिन के दिलों में कञ्छ है वो उस में से मुतशाबिहात के पीछे पडते हैं किन्ना तलभी

الْفِتْنَةِ وَابْتِغَاءَ تَأْوِيلِهِ ۗ وَمَا يَعْلَمُ تَأْوِيلَهُ

की गर्ज से और उन का मतलब मालूम करने के लिये. डालांके उन का मतलब सिवाये अद्लाह के कोई

إِلَّا اللَّهُ ۗ وَالرَّسَخُونَ فِي الْعِلْمِ يَقُولُونَ آمَنَّا بِهِ ۖ كُلٌّ

नहीं जानता. और जो एल्म (दीन) में मजभूत हैं वो कहेते हैं के हम सभ पर एमान ले आये, ये सभ की सभ

مِّنْ عِنْدِ رَبِّنَا ۚ وَمَا يَذَّكَّرُ إِلَّا أُولُو الْأَلْبَابِ ۝

आयतों हमारे रब की तरफ से हैं. और नसीहत डालसिल नहीं करते मगर अकल वाले.

رَبَّنَا لَا تَزِغْ قُلُوبَنَا بَعْدَ إِذْ هَدَيْتَنَا وَهَبْ

अे हमारे रब! तू हमारे दिलों को टेढा मत कर इस के बाद के तू ने हमें छिदायत दी और तू

لَنَا مِنْ لَدُنْكَ رَحْمَةً ۗ إِنَّكَ أَنْتَ الْوَهَّابُ ۝

हमारे लिये अपनी तरफ से रहमत अता इरमा. यकीनन तू भडोत अता करने वाला है.

رَبَّنَا إِنَّكَ جَامِعُ النَّاسِ لِيَوْمٍ لَا رَيْبَ فِيهِ ۗ

अे हमारे रब! यकीनन तू एन्सानों को जमा करने वाला है अैसे दिन में जिस में कोई शक नहीं.

إِنَّ اللَّهَ لَا يُخْلِفُ الْوَعْدَ ۗ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا

यकीनन अद्लाह वादे के भिलाइ नहीं करेंगे. यकीनन वो लोग जिन्हों ने कुइ किया

لَنْ تُغْنِيَ عَنْهُمْ أَمْوَالُهُمْ وَلَا أَوْلَادُهُمْ مِنَ اللَّهِ

बिल्कुल उन के काम नहीं आयेंगे न उन के माल और न उन की औलाद अद्लाह के मुकाबले में

شَيْئًا ۗ وَأُولَٰئِكَ هُمُ وَقُودُ النَّارِ ۗ كَذَابٍ آلِ

जरा भी. और यही लोग आग का ईधन हैं. उन का डाल आले फिरओन के डाल की

فِرْعَوْنَ ۖ وَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۗ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا

तरड है और उन लोगों के डाल की तरड है जो उन से पेडले थे, जिन्हों ने हमारी आयतों को जूठलाया.

فَأَخَذَهُمُ اللَّهُ بِذُنُوبِهِمْ ۗ وَاللَّهُ شَدِيدُ الْعِقَابِ ۝

किर अद्लाह ने उन को उन के गुनाहों की वजह से पकड लिया. और अद्लाह सप्त सजा देने वाले हैं.

قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا سَتُغْلَبُونَ وَ تُحْشَرُونَ إِلَىٰ

आप काकिरों से इरमा दीजिये के अनकरीब तुम मगलूब किये जाओगे और जहन्नम की तरफ तुम धकडे

جَهَنَّمَ ۖ وَ بئسَ الْبِهَادُ ﴿۱۲﴾ قَدْ كَانَ لَكُمْ آيَةٌ

किये जाओगे. और वो बुरा ठिकाना है. यकीनन तुम्हारे लिये दो लशकरों में बड़ोत बड़ा मोअजिजा

فِي فِتْنَيْنِ التَّقَاتِ ۖ فَءَةً تُقَاتِلُ فِي سَبِيلِ اللَّهِ

था जो बाहुम मुकाबिल हुवे थे. अक लशकर तो किताल कर रहा था अल्लाह के रास्ते में और

وَ أُخْرَى كَافِرَةً يَرَوْنَهُمْ مِثْلَيْهِمْ رَأَى الْعَيْنِ ۖ

दूसरा लशकर काफिर था. ये काफिर लशकर उन मुसलमानों को अपने से दूगना देख रहा था बुली

وَاللَّهُ يُؤَيِّدُ بِنَصْرِهِ ۖ مَنْ يَشَاءُ ۖ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَعِبْرَةً

आंभों से. और अल्लाह अपनी नुस्सत से मदद करते हैं जिस की यादते हैं. यकीनन इस में एध्रत है

لِّأُولِي الْأَبْصَارِ ﴿۱۳﴾ زَيْنَ لِلنَّاسِ حُبُّ الشَّهَوَاتِ

आंभों वालों के लिये. एन्सानों के लिये मुजय्यन की गँ मरगूब चीजों की मलुब्बत

مِنَ النِّسَاءِ وَالْبَنِينَ وَالْقَنَاطِيرِ الْمُقَنْطَرَةِ

यानी औरतों और बेटे और ढेर लगाये हुवे

مِنَ الذَّهَبِ وَالْفِضَّةِ وَالْخَيْلِ الْمُسَوَّمَةِ

सौने और चाँदी और निशान लगाये हुवे घोडे

وَ الْأَنْعَامِ وَالْحَرْثِ ۖ ذَلِكَ مَتَاعُ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۗ

और चौपाये और भेती. ये दुन्यवी जिन्दगी का सामान है.

وَاللَّهُ عِنْدَهُ حُسْنُ الْمَبِإِ ﴿۱۴﴾ قُلْ أُوْنِيئِكُمْ

और अल्लाह के पास अच्छा ठिकाना है. आप इरमा दीजिये क्या मैं तुम्हें

بِخَيْرٍ مِّنْ ذَلِكَ ۖ لِلَّذِينَ اتَّقَوْا عِنْدَ رَبِّهِمْ

भबर दूँ इस से बेहतर चीज की? उन लोगों के लिये जो मुत्तकी हैं (उन के लिये) अपने रब के पास

جَنَّتْ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا

जन्नतें होंगी जिन के नीचे से नेहरें बहती होंगी, वो उन में हमेशा रहेंगे,

وَأَزْوَاجٌ مُّطَهَّرَةٌ وَرِضْوَانٌ مِّنَ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ

और साफ़ सुथरी बीवियां होंगी, और अल्लाह की तरफ़ से भुशनूही मिलेगी. और अल्लाह

بَصِيرٌ بِالْعِبَادِ ﴿۱۵﴾ الَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا إِنَّا أَمْنَا

बन्दों को देख रहे हैं. वो लोग जो कहते हैं के अउमारे रब! यकीनन हम एमान ले आये

فَاغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَقِنَا عَذَابَ النَّارِ ۝ الصَّابِرِينَ

तो हमारे लिये हमारे गुनाहों की मगफ़िरत कर दे और हमें आग के अज़ाब से बचा ले। जो सभ्र करने वाले

وَ الصّٰدِقِيْنَ وَ الْقٰنِتِيْنَ وَ الْمُنْفِقِيْنَ وَ الْمُسْتَغْفِرِيْنَ

और सच बोलने वाले और इकरमांभरदारी करने वाले और भयं करने वाले और सहर के वकत मगफ़िरत

بِالْأَسْحَارِ ۝ شَهِدَ اللَّهُ أَنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۙ

तलब करने वाले हैं। अल्लाह गवाही देते हैं इस बात की के उस के सिवा कोरि माभूद नही और इरिशते

وَ الْمَلٰٓئِكَةُ وَ أُولُو الْعِلْمِ قٰٓئِمًا بِالْقِسْطِ ۗ لَا إِلَهَ

भी गवाही देते हैं और इल्म वाले भी गवाही देते हैं, (इस डाल में के) अल्लाह इ-साफ़ के साथ काईम हैं।

إِلَّا هُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ إِنَّ الدِّينَ عِنْدَ اللَّهِ الْإِسْلَامُ ۗ

अल्लाह के सिवा कोरि माभूद नही, वो ज़बरदस्त है, डिक्मत वाला है। यकीनन दीन तो अल्लाह के नजदीक

وَمَا اخْتَلَفَ الَّذِينَ أُوْتُوا الْكِتٰبَ إِلَّا مِنْۢ بَعْدِ

सिर्फ़ इस्लाम ही है। और इफ़्तिलाफ़ नही किया उन लोगों ने जिन को किताब दी गई मगर इस के बाद के

مَا جَاءَهُمُ الْعِلْمُ بَعْيًا بَيْنَهُمْ ۗ وَ مَنْ يَكْفُرْ

उन के पास इल्म आया आपस की ज़िद की वजह से। और जो भी अल्लाह की आयतों

بِآيٰتِ اللَّهِ فَإِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۝

के साथ कुफ़ करेगा तो यकीनन अल्लाह जल्द हिसाब लेने वाले हैं। फिर अगर वो आप से हुजजत

فَإِنْ حَاجُّوكَ فَقُلْ أَسَلْتُمْ وَجْهِي لِلَّهِ وَمِنْ أَتْبَعِن ۗ

बाजी करें तो आप इरमा दीजिये के मैं ने तो अपना येहरा अल्लाह के ताबेअ कर लिया है और उनहों ने भी जिनहों ने

وَقُلْ لِلَّذِينَ أُوْتُوا الْكِتٰبَ وَالْأُمِّيِّنَ ءَ أَسَلْتُمْ

मेरा इत्तिबा किया। और आप अेडले किताब से और अनपण्ड लोगों (मुशरिकीने अरब) से इरमा दीजिये के

فَإِنْ أَسَلْتُمْ فَقَدْ اهْتَدَوْا ۗ وَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّا

क्या तुम इस्लाम लाते हो? फिर अगर वो इस्लाम ले आयें तो वो डिहायत याइता होंगे। और अगर वो मुंड

عَلَيْكَ الْبَلْعُ ۗ وَاللَّهُ بِصَيْرٍ بِالْعِبَادِ ۝ إِنَّ

मोड़ें तो आप के जिम्मे सिर्फ़ पड़ोया देना है। और अल्लाह बन्दों को देख रहे हैं। यकीनन

الَّذِينَ يَكْفُرُونَ بِآيٰتِ اللَّهِ وَيَقْتُلُونَ النَّبِيْنَ

वो लोग जो कुफ़ करते हैं अल्लाह की आयात के साथ और अम्बिया को नाउक

بِغَيْرِ حَقٍّ ۚ وَيَقْتُلُونَ الَّذِينَ يَأْمُرُونَ بِالْقِسْطِ

کتل کرتے ہیں اور ان کو بھی کتل کرتے ہیں جو لوگوں میں سے انصاف

مِنَ النَّاسِ ۚ فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ ﴿۱۳﴾ أُولَٰئِكَ

کا ہুকوم کرتے ہیں، تو آپ ان کو دردناک عذاب کی بشارت سنا دیجیے۔ یہ وہ لوگ ہیں

الَّذِينَ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۚ

جین کے اعمال جاپے اٹے ہو گئے دنیا اور آخرت میں۔

وَمَا لَهُمْ مِّنْ تَصْرِيحٍ ﴿۱۴﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ أُوتُوا نَصِيبًا

اور ان کے لیے کوئی مددگار نہیں ہوا۔ کیا آپ نے دیکھا نہیں ان لوگوں کی طرف جین کو کتب کا

مِّنَ الْكِتَابِ يُدْعَوْنَ إِلَى كِتَابِ اللَّهِ لِيَحْكُمَ بَيْنَهُمْ

آکھ ڈیسا دیا گیا، ان کو بلایا جاتا ہے اڈلاڈ کی کتب کی طرف تاکہ ان کے درمیان وہ کسلا کرے،

ثُمَّ يَتَوَلَّى فَرِيقٌ مِّنْهُمْ وَهُمْ مُّعْرِضُونَ ﴿۱۵﴾

پھر ان میں سے آکھ جماعت اوراٹ کرتے ڈوے ڈرگدانی کرتی ہے۔

ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوا لَنْ نَمَسَّنَا النَّارُ إِلَّا أَيَّامًا

یہ اس وجہ سے کہ انہوں نے کہا کہ ہم آگ ڈرگیا نہیں ڈوےگی مگر چند گینے

مَّعْدُودَاتٍ ۖ وَ غَرَّهُمْ فِي دِينِهِمْ مَا كَانُوا

سوںے دین۔ اور ان کو ڈوے میں ڈال رہا ہے ان کے دین کے بارے میں ان شیڈوں نے

يَفْتَرُونَ ﴿۱۶﴾ فَكَيْفَ إِذَا جَمَعْتَهُمْ لِيَوْمٍ لَا رَيْبَ

جین کو وہ ڈوے ڈاتے ہیں۔ پھر کیا ڈال ڈوگا جب ڈم ان کو جماعت کریںے دین میں جیس میں

فِيهِ ۗ وَ وُفِّيَتْ كُلُّ نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ وَهُمْ لَا

شک نہیں۔ اور ڈر شمس کو پورا پورا بڈلا دیا جآےگا اس امل کا جو اس نے کیا اور ان پر ڈکم

يُظَلَمُونَ ﴿۱۷﴾ قُلِ اللَّهُمَّ مَلِكُ الْمَلِكِ تُؤْتِي الْمَلِكَ

نہی کیا جآےگا۔ آپ ڈرما دیجیے کہ آے اڈلاڈ! سلطنت کے مالک! تू سلطنت دےتا ہے

مَنْ تَشَاءُ وَتَنْزِعُ الْمَلِكَ مِمَّنْ تَشَاءُ ۚ وَتَعَزُّ

جیسے ڈاڈتا ہے اور سلطنت ڈینتا ہے جیس سے ڈاڈتا ہے۔ اور تू ڈڈڈت دےتا ہے

مَنْ تَشَاءُ وَتُذَلُّ مَنْ تَشَاءُ ۗ بِيَدِكَ الْخَيْرُ إِنَّكَ

جیسے ڈاڈتا ہے اور تू ڈڈلوت دےتا ہے جیسے ڈاڈتا ہے۔ تےرے ڈی ڈاڈ میں لڈاڈ ہے۔ یکینن تू



عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۱۷﴾ تُولِجُ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ

۷۲ رات کو ۷۳ دن میں داخل کرتا ہے۔

و تُولِجُ النَّهَارَ فِي اللَّيْلِ ۚ وَ تُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ

اور دن کو رات میں داخل کرتا ہے۔ اور زندہ کو مرنے سے نکالتا ہے

وَ تُخْرِجُ الْمَيِّتَ مِنَ الْحَيِّ ۚ وَ تَرْزُقُ مَنْ تَشَاءُ

اور مرنے کو زندہ سے نکالتا ہے۔ اور تو جسے چاہتا ہے، بھینسا

بِغَيْرِ حِسَابٍ ﴿۱۸﴾ لَا يَتَّخِذُ الْمُؤْمِنُونَ الْكَافِرِينَ

دوست بناتے ہیں۔ ایمان والے کافروں کو دوست

أَوْلِيَاءَ ۚ مِنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ ۗ وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ

ایمان والوں کو دوست کرے۔ اور جو ایسا کرے گا، اس کا بدلہ

فَلَيْسَ مِنَ اللَّهِ فِي شَيْءٍ إِلَّا أَنْ تَتَّقُوا مِنْهُمْ

کسی بھی چیز کا تامل نہیں ہے، مگر یہ کہ تم کفار سے کسی طرف بچنا چاہو۔

تُتَّقَهُ ۗ وَيُحَذِّرُكُمُ اللَّهُ نَفْسَهُ ۗ وَإِلَى اللَّهِ الْمَصِيرُ ﴿۱۹﴾

اور اللہ تمہیں اپنی جگہ سے ڈراتے ہیں۔ اور اللہ ہی کی طرف لوٹنا ہے۔ آپ فرما

قُلْ إِنْ تَخَفُوا مَا فِي صُدُورِكُمْ أَوْ تُبْدُوهُ يُعَلِّمَهُ

کہاں اگر تم چھپاؤ تو وہ سن لے گا اور تمہیں اس کے بارے میں پتہ چلے گا یا تمہیں اس کے بارے میں پتہ چلے گا، تب بھی اللہ

اللَّهُ ۗ وَيَعْلَمُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ

سن لے گا۔ اور اللہ جاننے والا ہے ان تمام چیزوں کو جو آسمانوں میں ہیں اور جو زمین میں ہیں۔

وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۲۰﴾ يَوْمَ تَجِدُ كُلُّ

اور اللہ ہر چیز پر قادر ہے۔ جس دن ۷۲ سالہ دن آسمان کو جو اس نے

نَفْسٍ مِمَّا عَمِلَتْ مِنْ خَيْرٍ مُحَضَّرًا ۙ وَمَا عَمِلَتْ

بشر میں سے کچھ اچھے کاموں کو بھی حاضر کرے گا، اور جو اس نے

مِنْ سُوءٍ ۙ تَوَدُّ لَوْ أَنَّ بَيْنَهَا وَ بَيْنَهُ أَمَدًا بَعِيدًا ۗ

تو وہ چاہے گا کہ اس کے درمیان اور اس دن کے درمیان بڑی دور کی مسافت ہو۔

وَيُحَذِّرُكُمُ اللَّهُ نَفْسَهُ ۗ وَاللَّهُ رَءُوفٌ بِالْعِبَادِ ﴿۲۱﴾

اور اللہ تمہیں اپنی جگہ سے ڈراتے ہیں۔ اور اللہ بندگان پر مہربان ہے۔ آپ

قُلْ إِنْ كُنْتُمْ تُحِبُّونَ اللَّهَ فَاتَّبِعُونِي يُحْبِبْكُمُ اللَّهُ

इरमा दीजिये अगर तुम अल्लाह से मडुभत रभते छे, तो मेरा धतिभा करो, तो अल्लाह तुम्हें मडुभूभ

وَيَغْفِرَ لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ ۗ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿۳۲﴾

भना लेगा और तुम्हारे लिये तुम्हारे गुनाह भूश देगा. और अल्लाह भूशने वाला, निहायत रडम करने वाला छे.

قُلْ أَطِيعُوا اللَّهَ وَالرَّسُولَ ۗ فَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّ اللَّهَ

आप इरमा दीजिये तुम अल्लाह की धताअत करो और रसूल की धताअत करो. फिर अगर वो मुंडु केर ले तो

لَا يُحِبُّ الْكٰفِرِينَ ۗ إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَىٰ آدَمَ

यकीनन अल्लाह काकिरो से मडुभत नही करते. यकीनन अल्लाह ने मुत्तभभ किया आदम (अलैडिस्सलाम) को

وَ نُوحًا وَّآلَ إِبْرٰهِيْمَ وَّآلَ عِمْرٰنَ عَلَى الْعٰلَمِيْنَ ۗ

और नूह (अलैडिस्सलाम) और आले धब्राहीम और आले धभरान को तमाम जडानों (जडान वालों) पर.

ذُرِّيَّةً ۗ بَعْضُهَا مِنْ بَعْضٍ ۗ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۳۳﴾

जो अेक दूसरे की औलाह छें. और अल्लाह सुन्ने वाले, धल्म वाले छें.

إِذْ قَالَتِ امْرَأَتُ عِمْرٰنَ رَبِّ اِنِّي نَذَرْتُ لَكَ

जभ के धभरान की भीवी ने कडा अे मेरे रभ! मैं ने आप की नजर कर दिया आजाह भना कर

مَا فِى بَطْنِىْ مُحَرَّرًا فَتَقَبَّلْ مِنِّىْ ۗ اِنَّكَ اَنْتَ

धस भरये को जो मेरे पेट में छे, तो आप उसे मेरी तरफ से कभूल कर लीजिये. यकीनन आप

السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿۳۴﴾ فَلَمَّا وَضَعَتْهَا قَالَتْ رَبِّ

सुन्ने वाले, धल्म वाले छें. फिर जभ धभरान की भीवी ने उस को जना तो केडने लगी अे मेरे रभ!

اِنِّىْ وَضَعْتُهَا اُنْثٰى ۗ وَاللَّهُ اَعْلَمُ بِمَا وَضَعْتَ وَلَيْسَ

मैं ने तो धस को लडकी जना. डालांके अल्लाह भूभ जानता छे उस को जो उस ने जना. और

الدَّكْرُ كَالْاُنْثٰى ۗ وَاِنِّىْ سَمَّيْتُهَا مَرْيَمَ

लडका उस लडकी के भराभर नही छे सकता. और मैं ने उस का नाम मरयम रभा

وَاِنِّىْ اَعِيذُهَا بِكَ وَذُرِّيَّتُهَا مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ﴿۳۵﴾

और मैं उसे और उस की औलाह को शयतान मरदूह से तेरी पनाह में देती छूं.

فَتَقَبَّلَهَا رَبُّهَا بِقَبُولٍ حَسَنٍ وَّ اَنْبَتَهَا نَبَاتًا

फिर उन के रभ ने उन को कभूल किया अरध्ण कभूल करना और मरयम को भण्डाया अरध्णी तरड

حَسَنًا ۚ وَكَفَلَهَا زَكْرِيَّا ۗ كُلَّمَا دَخَلَ عَلَيْهَا زَكَرِيَّا

બળહાના. ઔર મરયમ (અલૈહિસ્સલામ) કી કફાલત કી ઝકરીયા (અલૈહિસ્સલામ) ને. જબ કબી મરયમ (અલૈહિસ્સલામ)

الْمِحْرَابِ ۚ وَجَدَ عِنْدَهَا رِزْقًا ۚ قَالَ يَبْرِيءُ أَنَّى

કે પાસ દાખિલ હોતે ઝકરીયા (અલૈહિસ્સલામ) મેહરાબ મેં, તો મરયમ (અલૈહિસ્સલામ) કે પાસ ખાને કી ચીઝે પાતે.

لِكَ هَذَا ۗ قَالَتْ هُوَ مِنْ عِنْدِ اللَّهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ يَرْزُقُ

પૂછતે એ મરયમ! કહાં સે તેરે પાસ યે ચીઝે આઈ? તો મરયમ (અલૈહિસ્સલામ) કેહતી કે યે અલ્લાહ કી તરફ સે હૈં. યકીનન

مَنْ يَشَاءُ ۗ يَغْيِرُ حِسَابًا ۗ هُنَالِكَ دَعَا زَكَرِيَّا

અલ્લાહ બેહિસાબ રોઝી દેતે હૈં જિસે ચાહતે હૈં. વહી પર ઝકરીયા (અલૈહિસ્સલામ) ને અપને રબ સે

رَبَّهُ ۗ قَالَ رَبِّ هَبْ لِي مِنْ لَدُنْكَ ذُرِّيَّةً

દુઆ કી. કેહને લગે એ મરે રબ! તૂ મુજે અપની તરફ સે પાકીઝા ઔલાદ અતા

طَيِّبَةً ۗ إِنَّكَ سَمِيعُ الدُّعَاءِ ۗ فَنادَتْهُ الْمَلَكَةُ

ફરમા. યકીનન તૂ દુઆ કો સુન્ને વાલા હે. તો ઉન કો ફરિશ્તો ને આવાઝ દી જબ કે

وَهُوَ قَائِمٌ يُصَلِّي فِي الْمِحْرَابِ ۚ أَنَّ اللَّهَ يُبَشِّرُكَ

વો ખડે હુવે મેહરાબ મેં નમાઝ પઢ રહે થે કે અલ્લાહ આપ કો બશારત દેતે હૈં યહયા કી

بِخَيْرٍ مُصَدِّقًا بِكَلِمَةٍ مِنَ اللَّهِ ۗ وَسَيِّدًا وَحَصُورًا

જો તસ્દીક કરને વાલે હોંગે અલ્લાહ કે કલિમે કી ઔર સચિદ હોંગે ઔર ઔરતો સે બેરગબત

وَنَبِيًّا مِّنَ الصَّالِحِينَ ۗ قَالَ رَبِّ أَنَّى يَكُونُ

પાકદામન હોંગે ઔર નબી હોંગે, નેક લોગો મે સે હોંગે. ઝકરીયા (અલૈહિસ્સલામ) ને કહા એ મેરે રબ!

لِي ۗ عَلِمْتُ ۗ وَقَدْ بَلَغَنِي الْكِبَرُ ۗ وَأُمْرَاتِي عَاقِرٌ

મેરે લિયે લડકા કહાં સે હોગા હાલાંકે મુજે બુળહાપા પહોંચ યુકા હે ઔર મેરી બીવી બાંજ હે.

قَالَ كَذَلِكَ اللَّهُ يَفْعَلُ مَا يَشَاءُ ۗ قَالَ رَبِّ

અલ્લાહ ને ફરમાયા ઈસી તરહ અલ્લાહ કરતે હૈં જો ચાહતે હૈં. ઝકરીયા (અલૈહિસ્સલામ) ને કહા એ મેરે રબ!

اجْعَلْ لِي آيَةً ۗ قَالَ آيَتُكَ إِلَّا تُكَلِّمَ النَّاسَ

મેરે લિયે કોઈ નિશાની મુકરર કર દીજિયે. અલ્લાહ ને ફરમાયા કે તુમ્હારી નિશાની યે હૈં કે તુમ ઈ-સાનો સે

ثَلَاثَةَ أَيَّامٍ إِلَّا رَمَزًا ۗ وَادْكُرْ رَبَّكَ كَثِيرًا ۗ وَ

કલામ નહી કરોગે તીન દિન તક મગર ઈશારે સે. ઔર આપ અપને રબ કો બહોત ઝયાદા યાદ

سَبِّحْ بِالْعَشِيِّ وَالْإِبْكَارِ ۳۱ وَإِذْ قَالَتِ الْمَلَأِكَةُ

कीजिये और सुबह व शाम तस्बीह कीजिये. और जब के इरिशतों ने कहा

يَمْرِيْمُ إِنَّ اللّٰهَ اصْطَفٰكَ وَطَهَّرَكَ وَاصْطَفٰكَ

ओ मरयम! यकीनन अल्लाह ने तुज को मुत्तअब किया है और तुज को पाकआज बनाया है और तुज को

عَلٰى نِسَاءِ الْعٰلَمِيْنَ ۳۲ يَمْرِيْمُ اَفْتِيْ لِرَبِّكَ

तमाम जलान की औरतों पर मुत्तअब किया है. ओ मरयम! तू अपने रब की एबाहत कर

وَاسْجُدِيْ وَارْكَعِيْ مَعَ الرُّكَّعِيْنَ ۳۳ ذٰلِكَ

और सजदा कर और रुकूअ करने वालों के साथ रुकूअ कर. ये गैब की

مِّنْ اَنْبَاءِ الْغَيْبِ نُوحِيْهِ اِلَيْكَ ۝ وَمَا كُنْتَ لَدَيْهِمْ

जबरी में से है, हम उस को आप की तरफ वही करते हैं. और आप उन के पास मौजूद नहीं थे

اِذْ يُلقَوْنَ اَقْلَامَهُمْ اَيُّهُمْ يَكْفُلُ مَرْيَمَ ۝

जब वो अपने कलम (नडर में) डाल रहे थे के कौन मरयम की कफ़ालत करेगा.

وَمَا كُنْتَ لَدَيْهِمْ اِذْ يَخْتَصِمُوْنَ ۳۴ اِذْ قَالَتِ الْمَلَأِكَةُ

और आप उन के पास नहीं थे जब वो जघड रहे थे. जब इरिशतों ने कहा

يَمْرِيْمُ إِنَّ اللّٰهَ يُبَشِّرُكَ بِكَلِمَةٍ مِّنْهُ ۝

ओ मरयम! यकीनन अल्लाह तुम को बशारत देते हैं अपनी तरफ से कलिमे की

اِسْمُهُ الْمَسِيْحُ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ وَجِيْهًا

जिस का नाम मसीह इसा एबने मरयम डोगा, जो वजाहत वाले डोंगे

فِي الدُّنْيَا وَالْاٰخِرَةِ وَ مِنَ الْمَقْرَبِيْنَ ۳۵ وَيُكَلِّمُ

दुन्या और आभिरत में और मुकर्रबीन में से डोंगे. और वो ए-सानों से

النَّاسِ فِي الْمَهْدِ وَ كَهْلًا وَ مِنَ الصّٰلِحِيْنَ ۳۶

कलाम करेंगे गेडवारे में और बडे डो कर के और सुलडा में से डोंगे. मरयम (अलैडस्सलाम) ने

قَالَتْ رَبِّ اِنِّيْ يَكُوْنُ لِيْ وَلَدٌ وَلَمْ يَمْسَسْنِيْ بَشْرٌ

कहा ओ मेरे रब! मुजे औलाह कडां से डोगी, डालांके मुजे किसी ए-सान ने छुवा नहीं है.

قَالَ كَذٰلِكَ اللّٰهُ يَخْلُقُ مَا يَشَاءُ ۝ اِذَا قَضٰى

तो अल्लाह ने इरमाया इसी तरड अल्लाह पैदा करते हैं जो याडते हैं. जब वो किसी काम

أَمْرًا فَإِنَّمَا يَقُولُ لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ﴿۳۵﴾ وَيُعَلِّمُهُ

का ईस्ला करते हैं तो उस से केहते हैं के कُن (हो जा), तो वो हो जाता है. और उस को अल्लाह

الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَالتَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ ﴿۳۶﴾ وَرَسُولًا

किताब व हिकमत और तौरात और ईन्जिल की तालीम देंगे. और बनी ईस्राईल की तरफ़ रसूल

إِلَىٰ بَنِي إِسْرَائِيلَ ۖ إِنِّي قَدْ جِئْتُكُمْ بِآيَةٍ

बना कर भेजेंगे. (वो कहेंगे के) यकीनन मैं तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ़ से मोअजिजा

مِّن رَّبِّكُمْ ۖ إِنِّي أَخْلَقُ لَكُمْ مِنَ الطِّينِ كَهَيْئَةِ

ले कर आया हूँ. ये के मैं तुम्हारे लिये मिट्टी से परिन्दे की शकल की तरफ़ बनाता

الطَّيْرِ فَانْفُخُ فِيهِ فَيَكُونُ طَيْرًا بِإِذْنِ اللَّهِ وَأُبْرِئُ

हूँ, फिर मैं उस में झूंक मारता हूँ, तो वो अल्लाह के हुकम से (जानदार) परिन्दा बन जाता है. और

الْأَكْمَهَ وَالْأَبْرَصَ وَأُحْيِي الْمَوْتَىٰ بِإِذْنِ اللَّهِ ۗ

मैं अख्श करता हूँ अंधे को और बर्स वाले को और मैं मुरदों को जिन्दा करता हूँ अल्लाह के हुकम से.

وَأُنَبِّئُكُمْ بِمَا تَأْكُلُونَ وَمَا تَدَّخِرُونَ ۖ

और मैं तुम्हें बतला देता हूँ वो चीज़ें जो तुम खा कर आते हो और वो चीज़ें जो तुम अपने घरों में

فِي بُيُوتِكُمْ ۗ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ لَآيَةً لَّكُمْ إِن كُنتُمْ

जुभीरा कर के आते हो. यकीनन उस में निशानी है तुम्हारे लिये अगर तुम

مُؤْمِنِينَ ﴿۳۷﴾ وَمُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْ

ईमान लाते हो. और मैं तस्दीक करने वाला हूँ उस तौरात की जो मुज से

مِن التَّوْرَةِ وَإِحْلًا لَّكُمْ بَعْضَ الَّذِي حُرِّمَ عَلَيْكُمْ

पेहले थी और ताके मैं तुम्हारे लिये उलाल कर दूँ उन बाज चीज़ों को जो तुम पर हराम की गई.

وَجِئْتُكُمْ بِآيَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ ۖ فَاتَّقُوا اللَّهَ

और मैं तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ़ से मोअजिजा ले कर आया हूँ. फिर अल्लाह से डरो

وَاطِيعُونَ ﴿۳۸﴾ إِنَّ اللَّهَ رَبِّي وَرَبُّكُمْ فَاعْبُدُوهُ ۗ

और मेरा केहना मानो. यकीनन अल्लाह मेरा और तुम्हारा रब है, तो तुम उसी की ईबादत करो.

هَٰذَا صِرَاطٌ مُّسْتَقِيمٌ ﴿۳۹﴾ فَلَبَّآ أَحْسَنَ عَيْسَىٰ مِنْهُمْ

ये सीधा रास्ता है. फिर जब ईसा (अलैहिससलाम) ने उन की तरफ़ से कुछ मडसूस किया तो

الْكَفْرُ قَالَ مَنْ أَنْصَارِي إِلَى اللَّهِ ۖ قَالَ الْحَوَارِيُّونَ

ફરમાયા કૌન મેરે મદદગાર હૈં અલ્લાહ કી तरफ़? उवारीय्हीन केउने लगे हम अल्लाह के (दीन के)

نَحْنُ أَنْصَارُ اللَّهِ ۖ أَمَّا بِاللَّهِ ۖ وَاشْهَدْ بِأَنَا مُسْلِمُونَ ﴿۵۱﴾

मददगार हँ. हम अल्लाह पर ईमान लाअे हँ. और आप गवाह रहिये के यकीनन हम मुसलमान हँ.

رَبَّنَا ۖ أَمَّا بِمَا أَنْزَلْتَ وَاتَّبَعْنَا الرَّسُولَ ۖ فَاكْتُبْنَا

એ હમારે રબ! હમ ઈમાન લાએ હૈં ઉસ પર જો આપ ને ઉતારા ઓર હમ ને રસૂલ કા ઈત્તિબા ક્રિયા, તો આપ

مَعَ الشَّاهِدِينَ ﴿۵۲﴾ وَمَكْرُؤًا ۖ وَمَكَّرَ اللَّهُ ۖ وَاللَّهُ خَيْرٌ

હમને ગવાહી દેને વાલો કે સાથ લિખ લીજિયે. ઓર ઉન કુફર ને તદબીર કી ઓર અલ્લાહ ને ભી તદબીર કી. ઓર

الْمَكْرِينَ ﴿۵۳﴾ ۖ إِذْ قَالَ اللَّهُ يُعِيسَىٰ إِنِّي مُتَوَقِّيكَ

અલ્લાહ બેહતરીન તદબીર કરને વાલે હૈં જબ કે અલ્લાહ ને ફરમાયા કે એ ઈસા! મૈ આપ કો પૂરા પૂરા લેને વાલા હું

وَرَأْفَعُكَ إِلَىٰ وَ مُطَهِّرُكَ مِنَ الَّذِينَ كَفَرُوا

(જિસ્મ વ રૂહ સમેત ઉઠાને વાલા હું) ઓર આપ કો ઉઠાને વાલા હું અપને પાસ ઓર આપ કો પાક કરને

وَجَاعِلُ الَّذِينَ اتَّبَعُوكَ فَوْقَ الَّذِينَ كَفَرُوا

વાલા હું ઉન લોગો સે જિન્હો ને કુફર ક્રિયા ઓર કયામત કે દિન તક આપ કે મુતબિઈન કો કાફિરો કે

إِلَىٰ يَوْمِ الْقِيَامَةِ ۖ ثُمَّ إِلَىٰ مَرْجِعِكُمْ فَأَحْكُمُ

ઉપર રખુંગા. ફિર મેરી तरफ़ तुम्हें लौट कर आना है, ફિર મૈં તુમ્હારે દરમિયાન

بَيْنَكُمْ فِيمَا كُنْتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ ﴿۵۴﴾

ફેસલા કરુંગા ઉસ મેં જિસ મેં તુમ ઈખ્તલાફ કર રહે थे.

فَأَمَّا الَّذِينَ كَفَرُوا فَأَعَذِّبُهُمْ عَذَابًا شَدِيدًا

ફિર અલબત્તા વો લોગ જિન્હો ને કુફર ક્રિયા, મૈં ઉન્હે સખ્ત અઝાબ દુંગા

فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۖ وَمَا لَهُمْ مِنْ نَاصِرِينَ ﴿۵۵﴾

દુન્યા ઓર આખિરત મેં. ઓર ઉન કે લિયે કોઈ મદદગાર નહી હોગા. ઓર અલબત્તા

وَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فَيُوَفِّيهِمْ أُجُورَهُمْ ۖ

વો લોગ જો ઈમાન લાએ ઓર નેક અમલ કરતે રહે તો અલ્લાહ ઉન કો ઉન કા પૂરા પૂરા સવાબ દેંગે.

وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ الظَّالِمِينَ ﴿۵۶﴾ ۖ ذَلِكَ نَتْلُوهُ عَلَيْكَ

ઓર અલ્લાહ ઝાલિમો સે મહબ્બત નહી કરતે. યે હમ આપ કે સામને આયાત કી

الاعتراف ۳

مِنَ الْآيَاتِ وَالذِّكْرِ الْحَكِيمِ ﴿۵۸﴾ إِنَّ مَثَلَ عِيسَىٰ

और मुहकम जिक्र की तिलावत करते हैं. यकीनन ईसा (अलैहिस्सलाम) का डाल अल्लाह

عِنْدَ اللَّهِ كَمَثَلِ آدَمَ خَلَقَهُ مِنْ تُرَابٍ ثُمَّ قَالَ

के नजदीक आदम (अलैहिस्सलाम) के डाल की तरह है. जिन को अल्लाह ने मिट्टी से पैदा किया, फिर उन से

لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ﴿۵۹﴾ الْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ فَلَا تَكُنْ

इरमाया के डो ज़ा, तो वो डो गअे. ये डक है आप के रब की तरफ़ से, ईस लिये आप शक करने वालों में

مِنَ الْمُمْتَرِينَ ﴿۶۰﴾ فَمَنْ حَاجَّكَ فِيهِ مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَكَ

से न डो. फिर जो भी आप से डुजुजतभाजी करे ईसा (अलैहिस्सलाम) के बारे में ईस के बाद के आप के पास

مِنَ الْعِلْمِ فَقُلْ تَعَالَوْا نَدْعُ أَبْنَاءَنَا وَ

ईल्म आया, तो आप के ड हीजिये के तुम आओ, डम बुलाते हैं डमारे डेटों को और तुम्हारे डेटों को

و نِسَاءَنَا وَ نِسَاءَكُمْ وَ أَنْفُسَنَا وَ أَنْفُسَكُمْ

और डमारी औरतों को और तुम्हारी औरतों को और अपनी ज़ानों को और तुम्हारी

ثُمَّ نَبْتَهُلُ فَنجَعَلُ لَعْنَتَ اللَّهِ عَلَى الْكٰذِبِينَ ﴿۶۱﴾

ज़ानों को. फिर डम मुभाडला करें, फिर डम जूहों पर अल्लाह की लानत करें.

إِنَّ هٰذَا لَهُوَ الْقَصَصُ الْحَقُّ ۗ وَمَا مِنْ إِلٰهِ

यकीनन ये सख्या भयान है. और अल्लाह के सिवा कोई माभूड

إِلَّا اللَّهُ ۗ وَإِنَّ اللَّهَ لَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿۶۲﴾

नडी. और यकीनन अल्लाह वडी जबरदस्त है, डिकमत वाला है. फिर भी अगर वो

فَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ بِالْمُفْسِدِينَ ﴿۶۳﴾ قُلْ يَا هَلْ

मुंड मोडें तो यकीनन अल्लाह इसाड डैलाने वालों को भूष जानते हैं. आप इरमा हीजिये अे अेडले

الْكِتٰبِ تَعَالَوْا اِلَىٰ كَلِمَةٍ سَوَآءٍ بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمْ

किताब! तुम आओ अैसे कलिमे की तरफ़ जो डमारे और तुम्हारे दरमियान बराबर है,

إِلَّا نَعْبُدُ اِلَّا اللَّهَ وَلَا نُشْرِكُ بِهِ شَيْئًا وَلَا يَتَّخِذَ

ये के डम ईबादत न करें मगर अल्लाह की और डम उस के साथ किसी चीज को शरीक न डेडराअें और

بَعْضُنَا بَعْضًا اَرْبَابًا مِّنْ دُونِ اللَّهِ ۗ فَإِنْ تَوَلَّوْا

डम में से अेक दूसरे को अल्लाह को डोड कर के रब न बनाअें. फिर अगर वो डुगरदानी करें

فَقُولُوا أَشْهَدُوا بِآتَا مُسْلِمُونَ ﴿۱۳﴾ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ

तो केड हो के तुम गवाड रडो के डम मुसलमान हें. ओ ओडले किताब!

لَمْ تُحَاجُّوْنَ فِي إِبْرَاهِيمَ وَمَا أُنزِلَتِ التَّوْرَةُ

तुम कयूं डुजजतबाजी करते डो डब्राडीम (अलैडिस्सलाम) के बारे में डडलंके तौरात

وَالْإِنْجِيلُ إِلَّا مِنْ بَعْدِهِ ۗ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۱۴﴾ هَآئِنَّمْ

और ड-जुल नडी डतारी गड मगर डन के डड. कया तुम अकल नडी रभते? सुनो! तुम तो

هَؤُلَاءِ حَاجَجْتُمْ فِيمَا لَكُمْ بِهِ عِلْمٌ

वो लोग डो के तुम ने डुजजतबाजी की ऐसी थीड में जिस का तुमडें डलम डै, डिर तुम

فَلِمَ تُحَاجُّوْنَ فِيمَا لَيْسَ لَكُمْ بِهِ عِلْمٌ ۗ وَاللَّهُ يَعْلَمُ

कयूं डुजजतबाजी करते डो ऐसी थीड में जिस का तुमडें कोड डलम नडी डै. और अल्लाड

وَأَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ﴿۱۵﴾ مَا كَانَ إِبْرَاهِيمَ يَهُودِيًّا

जानता डै और तुम जानते नडी डो. डब्राडीम (अलैडिस्सलाम) न यडूडी थे, न नसरानी थे,

وَلَا نَصْرَانِيًّا وَلَكِنْ كَانَ حَنِيفًا مُّسْلِمًا ۗ

लेकिन सिई अक अल्लाड के डो कर रेडने वाले थे, मुसलमान थे. और मुशरिकीन में से नडी थे.

وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿۱۶﴾ إِنَّ أَوْلَى النَّاسِ بِإِبْرَاهِيمَ

यकीनन तमाम ड-सानों में सभ से जयाडा करीब डब्राडीम (अलैडिस्सलाम) के अलभता वो लोग हें जि-डों ने

لِلَّذِينَ اتَّبَعُوهُ وَهَذَا النَّبِيُّ وَالَّذِينَ آمَنُوا

डब्राडीम(अलैडिस्सलाम) का डतिबा किया और ये नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) हें और वो लोग हें जो

وَاللَّهُ وَلِيُّ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۷﴾ وَدَّتْ طَآئِفَةٌ

डमान लाओ हें. और अल्लाड डमान वालों का कारसाज डै. ओडले किताब की अक जमाअत तो

مِّنْ أَهْلِ الْكِتَابِ لَوْ يُضِلُّوكُمْ ۗ وَمَا يُضِلُّونَ

याडती डै के काश के वो तुमडें गुमराड कर डें. और वो गुमराड नडी करते

إِلَّا أَنفُسَهُمْ وَمَا يَشْعُرُونَ ﴿۱۸﴾ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ

मगर अपने आप को और ड-डें पता नडी. ओ ओडले किताब!

لِمَ تَكْفُرُونَ بِآيَاتِ اللَّهِ وَأَنْتُمْ تَشْهَدُونَ ﴿۱۹﴾ يَا أَهْلَ

तुम कयूं कुई करते डो अल्लाड की आयात के साथ डस डल में के तुम गवाडी डते डो? ओ ओडले



الْكِتَابِ لِمَ تَلْبِسُونَ الْحَقَّ بِالْبَاطِلِ وَ تَكْتُمُونَ

کتاب! تم کچھ بک کو باطل کے ساتھ مिलाते ہو اور بک کچھ

الْحَقَّ وَأَنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۱۷﴾ وَ قَالَتْ طَآئِفَةٌ مِّنْ أَهْلِ

عظاते ہو اداانکے تم جانته ہو? اور اءهله کتاب کی اءک جماعت نه

الْكِتَابِ 'امِنُوا بِالَّذِي أُنزِلَ عَلَى الَّذِينَ 'امَنُوا وَجَهَ

کذا کے تم ایمان لاآو اءس کورآن پر جو ایمان والوں پر اوتارا गया दिन के शुरू

النَّهَارِ وَ الْكُفْرَ وَ أَخْرَجَهُمْ لَعَلَّهُمْ يَرْجِعُونَ ﴿۱۸﴾

दिससे में और तुम कअिर बन जाओ दिन के आबिरी दिससे में, ताके ये भी मुर्तद हो जाअें और तुम अभीन

وَلَا تُؤْمِنُوا إِلَّا لِمَنْ تَبِعَ دِينَكُمْ قُلْ إِنَّ الْهُدَىٰ هُدَىٰ

मत समजना मगर उसी को जो तुम्हारे दिन पर चलता हो. आप के हदीजिये यकीनन दिदायत अद्लाह की दिदायत है.

اللَّهِ أَنْ يُؤْتِيَ أَحَدٌ مِّثْلَ مَا أُوتِيْتُمْ أَوْ يُجَاجِكُمْ

(ऐसा अस वजह से करते हो) के किसी को दिया जाअे उसी जैसा जो तुम्हें दिया गया या वो तुम से

عِنْدَ رَبِّكُمْ قُلْ إِنَّ الْفَضْلَ بِيَدِ اللَّهِ يُؤْتِيهِ مَنْ

तुम्हारे रब के पास हजहतभागी करे. आप के हदीजिये यकीनन इजल अद्लाह के हाथ में है. वो उसे देता

يَشَاءُ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ﴿۱۹﴾ يَخْتَصُّ بِرَحْمَتِهِ مَنْ

है जिसे चाहता है. और अद्लाह वुस्तत वाले, अलम वाले हैं. वो अपनी रहमत के साथ भास करता है जिसे

يَشَاءُ وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ الْعَظِيمِ ﴿۲۰﴾ وَمِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ

चाहता है. और अद्लाह भारी इजल वाले हैं. और अहले کتاب में से कुछ लोग ऐसे हैं के अगर

مَنْ إِنْ تَأْمَنَهُ بِقِنْطَارٍ يُؤَدِّكَ إِلَيْكَ وَمِنْهُمْ مَنْ

आप उसे अभीन बनाअें ढेरों माल पर तो भी उस को आप की तरफ अदा कर दे. और उन में कुछ लोग

إِنْ تَأْمَنَهُ بَدِينَارٍ لَا يُؤَدِّكَ إِلَيْكَ إِلَّا مَا دُمْتَ

ऐसे हैं के अगर आप उसे अभीन बनाअें अक दीनार पर भी, तो भी उस को आप की तरफ अदा न करे, मगर जब

عَلَيْهِ قَائِمًا ذَلِكِ بِأَنَّهُمْ قَالُوا لَيْسَ عَلَيْنَا

तक आप उस पर (निगरां बन कर) भडे रहें. ये अस वजह से के उनहों ने कहा के अंन उम्भियों के

فِي الْأَمِّينَ سَبِيلٌ وَ يَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ الْكَذِبَ وَهُمْ

दिये उम पर कोअ रास्ता नही. और ये अद्लाह पर जूठ के ह रहे हैं और वो

يَعْلَمُونَ ﴿۵۵﴾ بَلَىٰ مَنْ أَوْفَىٰ بِعَهْدِهِ وَاتَّقَىٰ فَإِنَّ اللَّهَ

جاننے والی ہے۔ کھینچے نہیں! جو اپنا وعدہ پورا کرے اور ڈرے تو یقیناً اللہ

يُحِبُّ الْمُتَّقِينَ ﴿۵۶﴾ إِنَّ الَّذِينَ يَشْتَرُونَ بِعَهْدِ اللَّهِ

ڈرنے والوں سے مصلحت خریدتے ہیں۔ یقیناً وہ لوگ جو اللہ کے وعدہ کے بدلے میں

وَإِيمَانِهِمْ ثَمَنًا قَلِيلًا أُولَٰئِكَ لَا خَلَاقَ لَهُمْ

اور اپنی قسموں کے بدلے میں تھوڑی قیمت لیتے ہیں، ان کے لیے کوئی حیرت نہیں ہے

فِي الْآخِرَةِ وَلَا يُكَلِّمُهُمُ اللَّهُ وَلَا يَنْظُرُ إِلَيْهِمْ يَوْمَ

میں اور اللہ ان سے کلام نہیں کرے گا اور ان کی طرف کلام کے دن نہیں دیکھے گا

الْقِيَامَةِ وَلَا يُزَكِّيهِمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۵۷﴾

کرے گا اور ان کا اجر نہیں دے گا۔ اور ان کے لیے دردناک عذاب ہوگا۔ اور یقیناً

وَإِنَّ مِنْهُمْ لَفَرِيقًا يَلْوَنَ أَلْسِنَتَهُم بِالْكِتَابِ لِتَحْسَبُوهُ

ان میں سے ایک جماعت ہے جو اپنی زبانوں کو موڑتی ہے (کتاب پڑھنے) میں تاکہ تم اسے

مِنَ الْكِتَابِ وَمَا هُوَ مِنَ الْكِتَابِ وَ يَقُولُونَ هُوَ

کتاب میں سے سمجھو، حالانکہ وہ کتاب میں سے نہیں ہے۔ اور وہ کہتے ہیں کہ یہ

مِنَ عِنْدِ اللَّهِ وَمَا هُوَ مِنْ عِنْدِ اللَّهِ وَ يَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ

اللہ کی طرف سے ہے، حالانکہ وہ اللہ کی طرف سے نہیں ہے۔ اور وہ اللہ پر جھوٹے

الْكُذِبَ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿۵۸﴾ مَا كَانَ لِبَشَرٍ أَنْ يُؤْتِيَهُ

ایسا حال کہ وہ جاننے والی ہے۔ کسی انسان کی طاقت نہیں ہے کہ اللہ اسے

اللَّهُ الْكِتَابَ وَالْحُكْمَ وَالنَّبُوءَةَ ثُمَّ يَقُولُ لِلنَّاسِ

کتاب اور شریعت اور نبوت دے، پھر وہ انسانوں سے کہے کہ تم اللہ

كُونُوا عِبَادًا لِّي مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلَكِنْ كُونُوا رَبَّيْنَ

کو بھجوں کر کہ میری عبادت کرنے والے بن جاؤ، لیکن (وہ تو کہے گا کہ) تم رببانی بن جاؤ

بِمَا كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ الْكِتَابَ وَ بِمَا كُنْتُمْ تَدْرُسُونَ ﴿۵۹﴾

ایسے چیزوں سے کہ تم کتاب کی تعلیم دیتے ہو اور ایسے چیزوں سے کہ تم پڑھتے ہو۔

وَلَا يَأْمُرُكُمْ أَنْ تَتَّخِذُوا الْمَلَائِكَةَ وَالنَّبِيِّينَ أَرْبَابًا

اور وہ تمہیں ایسے بات کا حکم نہیں دے گا کہ تم فرشتوں اور نبیوں کو ربب بنا لو۔

أَيُّمُرُكُمْ بِالْكَفْرِ بَعْدَ إِذْ أَنْتُمْ مُسْلِمُونَ ﴿۸۱﴾

क्या तुम्हें वो कुफ़र का हुक़म देगा, इस के बाद के तुम मुसलमान हो? और

وَإِذْ أَخَذَ اللَّهُ مِيثَاقَ النَّبِيِّنَ لَمَا آتَيْتُكُمْ مِنْ كِتَابٍ

जब के अल्लाह ने अम्बिया (अलैहिमुस्सलाम) से पुस्तक अलद लिया के जब मैं तुम्हें किताब और हिकमत दूँ,

وَحِكْمَةٍ ثُمَّ جَاءَكُمْ رَسُولٌ مُصَدِّقٌ لِمَا مَعَكُمْ

फ़िर तुम्हारे पास रसूल आये जो सच्चा बतलाने वाला हो उस को जो तुम्हारे पास है, तो तुम उस

لَتُؤْمِنَنَّ بِهِ وَوَلْتَنْصُرُنَّهُ ۖ قَالَ أَأَقْرَرْتُمْ وَأَخَذْتُمْ

रसूल पर इमान लाओगे और उन की नुस्तर करोगे. अल्लाह ने फ़रमाया क्या तुम ने इकरार किया और उस

عَلَىٰ ذَلِكُمْ إِصْرِي ۖ قَالُوا أَقْرَرْنَا ۖ قَالَ فَاشْهَدُوا

पर मेरा अलद तुम ने कबूल किया? अम्बिया ने कडा के डम ने इकरार किया. अल्लाह ने फ़रमाया फ़िर तुम

وَإِنَّا مَعَكُمْ مِنَ الشَّاهِدِينَ ﴿۸۲﴾ فَمَنْ تَوَلَّىٰ بَعْدَ

गवाड रहो, मैं भी तुम्हारे साथ गवाडी देने वालों में से हूँ. फ़िर इस के बाद जो इगरदानी

ذَلِكَ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْفَاسِقُونَ ﴿۸۳﴾ أَفَغَيَّرَ دِينَ اللَّهِ

करे तो वही लोग नाफ़रमान हैं. क्या फ़िर अल्लाह के दीन के अलावा को ये लोग यादते हैं?

يَبْغُونَ وَلَهُ أَسْلَمَ مَنْ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

डालांके अल्लाह के सामने सर जुकाओ हुवे हैं वो तमाम चीज़ें जो आस्मानों में हैं और ज़मीन में हैं भुशी

طَوْعًا وَكَرْهًا وَإِلَيْهِ يُرْجَعُونَ ﴿۸۴﴾ قُلْ أَمَّا بِاللَّهِ

से और ज़बरदस्ती से, और उसी की तरफ़ वो लौटाओ जायेंगे. आप फ़रमा दीजिये के डम इमान लाओ

وَمَا أَنْزَلَ عَلَيْنَا وَمَا أَنْزَلَ عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ ۖ وَإِسْمَاعِيلَ

अल्लाह पर और उस पर जो डम पर उतारा गया और उस पर जो इब्राहीम और इस्माइल और इस्हाक और यअकूब

وَإِسْحَاقَ ۖ وَيَعْقُوبَ ۖ وَالْأَسْبَاطَ ۖ وَمَا أُوتِيَ مُوسَىٰ

(अलैहिमुस्सलाम) और यअकूब (अलैहिस्सलाम) के बेटों पर उतारा गया, और उस पर जो मूसा (अलैहिस्सलाम)

وَ عِيسَىٰ ۖ وَالتَّبْيُوتَ ۖ مِنْ رَبِّهِمْ ۖ لَا نَفَرَقَ بَيْنَ

को दिया गया और इसा (अलैहिस्सलाम) और दूसरे अम्बिया को दिया गया उन के रब की तरफ़ से. डम उन में

أَحَدٍ مِّنْهُمْ ۚ وَنَحْنُ لَهُ مُسْلِمُونَ ﴿۸۵﴾ وَمَنْ يَبْتَغِ

से किसी के दरमियान तफ़रीक नही करते. और डम अल्लाह ही के ताबेदार हैं. और जो इस्लाम के

غَيْرِ الْإِسْلَامِ دِينًا فَلَنْ يُقْبَلَ مِنْهُ ۗ وَهُوَ فِي الْآخِرَةِ

अलावा को हीन के तौर पर तलब करेगा, तो उस की तरफ से उरगिज कबूल नहीं किया जायेगा. और वो

مِنَ الْخٰسِرِيْنَ ﴿۸۵﴾ كَيْفَ يَهْدِي اللّٰهُ قَوْمًا كَفَرُوْا

आभिरत में भसारा उठाने वालों में से डोगा. अदलाड कैसे डिदायत डेगा उस कौम को जिन्डों ने कुङ

بَعْدَ اِيْمَانِهِمْ وَ شٰهَدُوْا اَنَّ الرّٰسُوْلَ حَقٌّ وَجَآءَهُمْ

डिया अपने ँमान लाने के ढाद और शडादत डेने के ढाद के ये रसूल डक हें, और उन के पास

الْبَيِّنٰتُ ۗ وَاللّٰهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظّٰلِمِيْنَ ﴿۸۶﴾ اُوْلٰٓئِكَ

रोशन मोअजिजत ली आ गअे. और अदलाड जालिम कौम को डिदायत नहीं डेगे. उन

جَزَآؤُهُمْ اَنَّ عَلَيْهِمْ لَعْنَةَ اللّٰهِ وَ الْمَلٰٓئِكَةِ

की सज्ज ये डे के उन पर अदलाड की लानत और इरिशतों

وَالنّٰسِ اَجْمَعِيْنَ ﴿۸۷﴾ خٰلِدِيْنَ فِيْهَا لَا يُخَفَّفُ عَنْهُمْ

और तमाम ँन्सानों की लानत डे. वो उस में डभेशा रहेंगे. उन का अज्जभ डलका नहीं डिया

الْعَذَابُ وَلَا هُمْ يُنظَرُوْنَ ﴿۸۸﴾ اِلَّا الَّذِيْنَ تَابُوْا

जायेगा और उन को मोडलत नहीं मिलेगी. मगर वो लोग जिन्डों ने तौढा की

مِنْۢ بَعْدِ ذٰلِكَ وَاَصْلَحُوْا ۗ فَاِنَّ اللّٰهَ غَفُوْرٌ رّٰحِيْمٌ ﴿۸۹﴾

ँस के ढाद और ँस्लाड की, तो यकीनन अदलाड ढभशने वाले, निडायत रडम वाले हें.

اِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا بَعْدَ اِيْمَانِهِمْ ثُمَّ اَرْذٰوْا كُفْرًا

यकीनन वो लोग जो कडिर डो गअे अपने ँमान लाने के ढाद, डिर वो कुङ में ढणड गअे,

لَنْ تُقْبَلَ تَوْبَتُهُمْ ۗ وَاُوْلٰٓئِكَ هُمُ الصّٰلُوْنَ ﴿۹۰﴾

तो उरगिज उन की तौढा कबूल नहीं की जायेगी. और वडी लोग गुमराड हें. यकीनन

اِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَمَاتُوْا وَهُمْ كُفٰرٌ فَلَنْ يُقْبَلَ

वो लोग जिन्डों ने कुङ डिया और मर गअे ँस डाल में के वो कडिर थे, तो उरगिज कबूल नहीं डिया जायेगा

مِنْۢ اَحَدِهِمْ مَّلْءُ الْاَمْرِضِ ذَهَبًا وَّلَوْ اَفْتٰدٰى بِهٖ ۗ

उन में से किसी अेक की तरफ से जभीन लर सौना अगरये वो उस को डिदये के तौर पर डे डे.

اُوْلٰٓئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ اَلِيْمٌ ۗ وَمَا لَهُمْ مِّنْ نّٰصِرِيْنَ ﴿۹۱﴾

उन के लिये ददनाक अज्जभ डोगा और उन के लिये कोँ मददगार नहीं डोगा.